शिवसेना के आंदोलन को यश

मेट्रो योजना प्रभावितों को मिलेगा उन्हीं की जगह पर घर

सामना संवाददाता / मुंबई

मेट्रो-३ परियोजना के अंतर्गत गिरगांव और कालबादेवी में रहनेवाले स्थानीय लोग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे थे। स्थानीय लोगों के हक की लड़ाई के लिए शिवसेना ने २०१५ में मेट्रो-३ परियोजना का काफी विरोध किया था और कई दिनों तक आंदोलन भी किया। स्थानीय लोगों के हक की लड़ाई का यश अब जाकर शिवसेना को मिला है। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इस योजना के अंतर्गत प्रभावित होनेवाले स्थानीय लोगों के साथ अस्थाई निवास के लिए करार किया है। इस योजना के अंतर्गत २० जगहों की जो ३० इमारतों में रहनेवाले परिवार प्रभावित हो रहे थे, उन्हें मकान देने की प्रक्रिया चल रही है।

बता दें कि मेट्रो-३ परियोजना के अंतर्गत गिरगांव और कालबादेवी के ७१२ परिवार प्रभावित हो रहे हैं। इनमें से ६५७ प्रकल्प बाधित परिवार के साथ मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएमआरसीएल) ने अस्थाई निवास के लिए करार किया है, जिन परिवारों के साथ करार किया है उनमें से ६०५ परिवारों को एमएमआरसीएल ने अस्थाई घर अथवा घर का किराया दिया गया है। जबकि अन्य परिवारों के स्थानांतरण की प्रक्रिया अभी जारी है। जानकारी के लिए बता दें कि मेट्रो-३ योजना के अंतर्गत गिरगांव और कालबादेवी इलाके में जितने परिवार प्रभावित हो रहे हैं उनके हक का घर वहीं पर रिहायशी इमारत बनाकर दिया जाएगा। खास बात यह है कि मेट्रो के स्टेशन इन रिहायशी इमारतों के नीचे होंगे। फिलहाल प्रकल्प बाधित इमारतों को तोड़ने का काम जारी है। कालबादेवी और गिरगांव के स्थानीय लोगों के लिए के कालबादेवी व्यावसायिक केंद्र, कालबादेवी हाइट्स, गिरगांव हाइट्स नाम से इमारत बनाकर पुनर्वसन किया जाएगा।